Annexure - 1

M.A. Hindi Programme

Scheme of Instruction (Semester System)

PG Choice Based Credit System

Compulsory Course		**No. of Credits**
Semester I		
HNC 201	Linguistics	04
HNC 202	Medieval Poetry : Practical Criticism	04
Semester II		
HNC 203	Modern Poetry, Practical Criticism	04
HNC 204	Hindi Language, Script & Grammar	04
Semester III		
HNC 205	Indian Literature	04
HNC 206	Critics & Criticism	04
Semester IV		
HNC 207	Drama & Theatre	04
HNC 208	Another Form of Modern Prose	04
Optional Course		
HNO 201	History of Hindi Literature : Aadikal , Bhaktikal & Ritikal	04
HNO 202	History of Hindi Literature, Aadhunik Kal	04
HNO 203	Indian Poetics	04
HNO 204	Western Poetics	04
HNO 205	Contemporary Hindi Poetry: Practical criticism	04
HNO 206	Hindi Story	04
HNO 207	Hindi Novel	04
HNO 208	Study of special - Author- Amrutlal Nagar	04
HNO 209	Translation	04
HNO 210	Media & Journalism	04
HNO 211	Folk Literature	04
HNO 212	Literature : Thought & Philosophy	04
HNO 213	Rachanatmak lekhan	04
HNO 214	Uttar Aadhunik Vimarsh	04
HNO 215	Hindi Autobiography Literature	02
HNO 216	Hindi Memoir Literature	02
HNO 217	Language & Literature : Social & Cultural Survey	02
HNO 218	Hindi Pradesho mein bhraman	02

गोवा विश्वविद्यालय

हिन्दी विभाग

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-**HNC -201**

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक) :Linguistics

(भाषाविज्ञान)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48Hours)

Effective from Academic Year- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी भाषा के प्रारंभिक स्वरुप का ज्ञान होना अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान की जानकारी देना है । वे उसके अध्ययन के विविध क्षेत्रों एवं दिशाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । इसी के साथ -साथ भाषा विज्ञान के क्षेत्र में जो नवीन शोधकार्य हो रहे हैं, उनसे विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे ।	
Content (विषयवस्तु)	१. भाषाविज्ञान: • भाषाः अवधारणा , स्वरूप एवं अभिलक्षण । • भाषा और समाज :सम्प्रेषण व्यवस्था • भाषा और बोलीः अवधारणाएवं स्वरूप । • भाषाविज्ञानः स्वरूप एवं महत्व ।	12hours

	• भाषाविज्ञान : भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन ।	
	२. स्वनिम विज्ञानः अवधारणाएवं स्वरूप • स्वनिमों का वर्गीकरण । • स्वनिम परिवर्तनः कारण एवं दिशाएं । • स्वनिम विज्ञानः स्वरुप एवं भेद। • स्वनिम सिध्दान्त ।	12
	३. रुपविज्ञान • अवधारणाएवं स्वरूप। • रुपिमः परिभाषाएवं भेद । • अर्थतत्व और सम्बन्ध तत्व ।	8
	४. वाक्य विज्ञान • वाक्य विज्ञान:अवधारणा एवं स्वरुप । • वाक्य के भेद ।	8
	५.अर्थ विज्ञान अर्थविज्ञान: अवधारणा एवं स्वरुप • शब्द और अर्थ का संबंध । • अर्थबोध एवं अर्थ निर्णय के साधन । • अर्थ परिवर्तन एवं दिशाएँ।	8
Pedagogy	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण,पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, भाषा-प्रयोगशाला ।	

अध्यापन विधि		
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1.कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुजसहाय:आधुनिक भाषाविज्ञान नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,नई दिल्ली, 1972 2. देवेन्द्रनाथ शर्मा :भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्लीप्रथम संस्करण, १९६६ 3. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव (सम्पादक):भाषाशास्त्र के सूत्रधार,मयूर पेपरबैक्स, नोएडा;प्रथम संस्करण:२००२ आवृति: १९९२ 4. नरेश मिश्र:भाषा और भाषाविज्ञान: निर्मल पब्लिकेशन्स दिल्ली प्रथम संस्कारण, २००१ 5. भोलानाथ तिवारी :भारतीय भाषाविज्ञान की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1972 6. भोलानाथ :भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण: १९५१ 7.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव:दिलीप सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली : पहला संस्करण,१९९४ 8. राजलम बोरा (प्रधान सम्पादक):भाषाविज्ञान(स्वरूप सिध्दांत और अनुप्रयोग),नेशनल पब्लिशिंग हाउस, प्रथम संस्करण, २००१ 9. रामकिशोर शर्मा:आधुनिकभाषाविज्ञानके सिध्दांत, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद : प्रथम संस्करण १९९१ 10.इशरत खानःभाषाविज्ञानः प्रमुख आयाम,अमन प्रकाशन, कानपुर,1995 10. लायनज जॉन:सैध्दान्तिक : भाषाविज्ञानकी भूमिका, इलाहाबाद, प्र.सं. 1991 11. हणमंत राव पाटिल: भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा, विद्या प्रकाशन, कानपुर, द्वितीय संस्करण : २०११ 12. विजयपाल सिंह : भाषा विज्ञान, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी,प्रथम संस्करण १९९९	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNC -202

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक) :-Medieval Poetry : Practical Criticism

, **(मध्यकालीन काव्य: व्यावहारिक समीक्षा)**

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	मध्यकालीन कवियों की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	वर्तमान संदर्भ में भक्तिकालीन काव्य की महत्ता से परिचित कराते हुए भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना को जीवंत करना तथा भक्तिकाल की प्रासंगिकता पर विचार करना।	
Content (विषयवस्तु)	मलिक मुहम्मद जायसी ,कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास मीराबाई एवं घनानन्द के काव्य की व्यावहारिक समीक्षा के मानदंड । चयनित कवि एवं कवयित्री : कविताएं 1. मलिक मुहम्मद जायसी	04 10

	निर्धारित पाठ्यपुस्तक : जायसी ग्रंथावली -संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल नखशिख- खंड 2. कबीरदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर - सं. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी पदसंख्या : १, २,५, १२, २० ,३९ , ४१, ७७ , ९२, १०९ , ११८ , १३०, १३४ , १३७, १४१ , १६२, २२४ ,२४७ 3.गोस्वामी तुलसीदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस , विनयपत्रिका एवं कवितावली • रामचरितमानस संवाद- विभीषण- राम- लंकाकाण्ड : • विनयपत्रिका : • अब लौं नसानी अब न नसैहौं। ii105ii • मैं हरि पतितपावन सुने।ii160ii ऐसो को उदार जग माहीं ? ii162ii जाके प्रिय न राम बैदेही। ii174ii मन पछितैहै अवसर बीते। ii 198ii कवितावली: बालकाण्ड - एक से पांच पद। • .1अवधेश के द्वार सकार गई ... • .2पग नूपुर औ पहुंची करकञ्जनी... • .3तन की दुति श्याम .... • .4कबहुँ ससि मांगत .. • .5बार दन्त की पंगतिकुंदकली अयोध्या काण्ड मनो रासि..... बधु- पुर ते निकसी रघबीर - . महातम तारकमै (तुलसी ग्रंथावली द्वितीय खंड , नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी) 4.मीराबाई - : निर्धारित पाठ्यपुस्तक : मीराबाई की पदावली - सं. परशुराम चतुर्वेदी पद संख्या :१. मैं तो सांवरे के रंग रांची। २. सखी मेरी नींद नसानी हो। ३.तनक हरि चितवौ जो	10 12 12

	मोरी ओर। ४. हरि मेरे जीवन प्राण आधार। ५. बादल देख दरी हो श्याम। ६.सुण लीजो बिनती मोरी। ७. ज्या संग मेरा न्याहा लगाया। ८. हरि तुम कायकू प्रीत लगाई। ९. तुम बिन मेरो कौन खबर ले। १०. हरि गुन गावत नाचूंगी। 5. घनानंद - निर्धारित पाठ्यपुस्तक- घनानंद कवित्त (सं) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र कवित्त संख्या - 2,12,15,24,40,78,87,112,140,278 ।	
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, वृत्त चित्र	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी -कबीर, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली , संस्करण १९९५ . 2. रामचंद्र तिवारी - कबीर -मीमांसा , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ,सं. १९९५ 3.डॉ. वासुदेव सिंह -कबीर ,साहित्य ,साधना और पंथ , संजय बुक सेंटर वाराणसी , सं. १९९३ 4. डॉ.वासुदेव सिंह- मध्य -कालीन काव्यसाधना ,संजय बुक सेंटर वाराणसी , सं.१९८१ 5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - त्रिवेणी ,नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी सं. १९८३ 6.वासुदेव शरण अग्रवाल - , पद्मावत लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ,सं.२००० 7.ललित शुक्ल -पद्मावत संदर्भ कोश ,स्टैंडर्ड पब्लिशर्स इण्डिया नई दिल्ली ,सं.१९९९ 8. विजयदेवनारायण साही -जायसी , हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद सं. १९९३ 9. माताप्रसाद गुप्त - तुलसीदास , हिंदी परिषद प्रकाशन इलाहाबाद सं.१९५७ 10.माताप्रसाद गुप्त - तुलसी ग्रंथावली -भाग १,२ , हिन्दुस्तानी एकेडमी प्रयाग सं. १९५० 11.डॉ.गोपीनाथ तिवारी (सं.)-तुलसीदास विभिन्न दृष्टियों का परिप्रेक्ष्य विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी सं.१९७३ 12. पुरुषोत्तम अग्रवालः कबीरःसाखी और सबद,नेशनल बुक ट्रस्ट,नई दिल्ली, 2016।	

Programme(कार्यक्रम):- M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNC-203

Title of the course (पाठ्यक्रम का शीर्षक):-Modern Hindi Poetry : Practical Criticism

(आधुनिक काव्य: व्यावहारिक समीक्षा)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	आधुनिक हिंदी कविता की सामान्य जानकारी एवं प्रवृत्तियों का आकलन अपेक्षितहैं ।	
Objective (उद्देश्य)	आधुनिक युग के परिवर्तित परिवेशगत जीवनानुभूतियों का स्वरुपांकन। आधुनिक हिंदी कविता की मूलसंवेदना एवं भाषाई चेतना पर दृष्टिपात।	

Content (विषयवस्तु)	जयशंकर प्रसाद , सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के काव्य की व्यावहारिक समीक्षा के मानदंड । चयनित कवि एवं कविताएं : १. जयशंकर प्रसाद : कामायनी ,चिंता एवं श्रद्धा सर्ग २. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग -विराग (सं.) रामविलास शर्मा - रंग गई पग -पग धन्य धरा, (प्रिय) यामिनी जागी, जागो फिर एक बार:2 ,जुही की कली, राम की शक्ति-पूजा, तोड़ती पत्थर ३. गजानन माधव मुक्तिबोध : चांद का मुंह टेढ़ा है - भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अँधेरे में। ४. नागार्जुन: प्रतिनिधि कविताएं(सं.) नामवर सिंह - प्रतिबद्ध हूँ, अकाल और उसके बाद, सिंदूर तिलकित भाल, मंत्र, प्रेत का बयान । ५. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएं एवं जीवन परिचय (सं.) विद्यानिवास मिश्र - बावरा अहेरी, नदी के द्वीप, मछली, असाध्य वीणा	08 08 08 08 08 08
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1.नामवर सिंह: आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां ,लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं. १९९१ 2. डॉ.नगेंद्र: आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली सं. १९७९ 3.रामस्वरूप चतुर्वेदी: आधुनिक कविता यात्रा ,लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं.२०००	

	4. डॉ. अरविंद पांडेय: हिंदी के कवि :रचना और शिल्प , अनुभव प्रकाशन, कानपुर सं. १९८६ 5. दुर्गा प्रसाद गुप्त: हिंदी में आधुनिकतावाद, अनंग प्रकाशन दिल्ली सं. १९९८ 6. डॉ. हरदयाल -आधुनिक हिंदी कविता ,शब्दाकार दिल्ली सं. १९९३ 7. नामवर सिंह -छायावाद ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली सं. १९८८ 8. नामवर सिंह -कविता के नए प्रतिमान , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली सं.१९९० 9. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी सं. अज्ञेय , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली सं. १९९४ 10. इन्द्रनाथ मदान सं. कामायनी (मूल्यांकन और मूल्यांकन)सं. १९६७ 11. डॉ. वचनदेव कुमार सं. उर्वशी : विचार और विश्लेषण ,सं. १९७७ 12. डॉ. प्रेमशंकर -हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य , मध्यप्रदेश हिंदी अकादमी सं. १९७४ 13.. नन्ददुलारे वाजपेयी -हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी ,,लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं१९८७ 14. राजकुमार सैनी -साहित्य स्रष्टा निराला , वाणी प्रकाशन नई दिल्ली सं. १९९५ 15.. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (सं.) निराला- लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं. १९९७ 16..परमानंद श्रीवास्तव: निराला की कवितायेँ (मूल्यांकन और मूल्यांकन) नीलाभ प्रकाशन , इलाहाबाद सं. १९९२ 17. डॉ. राजेंद्र कुमार सं. अँधेरे में का महत्व ,लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं. २००८	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNC-204

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Hindi remmarG & tpircS ,egaugnaL

(हिन्दी भाषा लिपि एवं व्याकरण)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisites for the course: (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी व्याकरण के सामान्य ज्ञान से परिचित होना अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	व्याकरण द्वारा विद्यार्थी, हिंदी भाषा के शुद्ध उच्चारण, पठन एवं लेखन से परिचित होंगे । विद्यार्थी देवनागरी लिपि के उद्भव के साथ ही साथ शुद्ध वर्तनी लिखना सीखेंगे और हिंदी भाषा की मानक वर्तनी का ज्ञान प्राप्तकर सकेंगे । हिंदी भाषा शीर्षक के अंतर्गत विद्यार्थी आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं से परिचित हो सकेंगे ।	
Content **(विषयवस्तु)**	1. हिन्दी भाषाः अवधारणा एवं स्वरुप । 2. भारोपीय परिवार विशेषताएं : वर्गीकरण । • भारतीय आर्य भाषा :संक्षिप्त इतिहास। • प्राचीन भारतीय आर्य भाषा वैदिक संस्कृत एवं लोकीक संस्कृत । : • मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं प्राकृत, पालि एवं अपभ्रंश ।	04 12

	• आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं । 3. लिपि • देवनागरी लिपि उदभव एवं विकास। : • २ देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ।. • देवनागरी लिपि का मानकीकरण । 4. व्याकरण • भाषा और व्याकरण • विकारी शब्द - संज्ञा सर्वनाम, विशेषण, क्रिया। • अविकारी शब्द - क्रिया विशेषण, संबंध सूचक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक । • लिंग, वचन, कारक एवं विराम चिह् न । • उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास । • मुहावरे और लोकोक्तियाँ ।	10 22
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, भाषा-प्रयोगशाला ।	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1. डॉ.हरदेव बाहरीः व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,संस्करण 1985 । 2. डॉ.वैंकट शर्माः व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर संस्करण 2013 । 3. डॉ.शिवाकान्त गोस्वामीः प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन,विद्या प्रकाशन, कानपुर, संस्करण 2010 ।	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNC-205

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Indian Literature

(भारतीय साहित्य)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 Hours)

Effective from Academic Year- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	भारत विविध भाषी, विविध संस्कृतियों के मिलने से निर्मित देश है । इस हिंदीतर प्रदेश में सभी भाषाओँ का नहीं पर कम से कम कोंकणी, मराठी साहित्य का संक्षिप्त परिचय होना आवश्यक है ।	
Objective (उद्देश्य)	भारतीय संस्कृति की पहचान साहित्य के माध्यम से करना ।भारतीय भाषाओं और उनके साहित्य के बीच संवाद स्थापित करना । भारतीय साहित्य में अंतर्निहित एकता के सूत्रों की खोज करना ।	
Content (विषयवस्तु)	१. भारतीय साहित्य का स्वरूप २. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक विशिष्टता ३. भारतीय साहित्य का समाजशास्त्र ४. भारतीय साहित्य की मूल्य चेतना निर्धारित पाठ्यपुस्तकें 1.कोंकणी कहानियाँ : सं. कमलेश्वर 2.अछूत : दया पवार 3.नजीर ग्रंथावली :नज़ीर अकबराबादी 4.द्रौपदी : प्रतिभा राय 5.नागमंडल : गिरीश कर्नाड	30 Hours 30

Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण,पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, फिल्म,वृत्तचित्र ।	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1.नगेन्द्र: भारतीय साहित्य,प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004 2. इंद्रनाथ चौधरी: तुलनात्मक अध्ययन,वाणी प्रकाशन,दिल्ली,2007 3. निर्मल वर्मा : शताब्दी के ढलते वर्षो में,भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2006 4. रामविलास शर्मा : भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं 5.रामविलास शर्मा : भारतीय साहित्य की भूमिकाराजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2009, 6. मीनाक्षी मुखर्जी : द नावेल एण्ड सोसायटी इन इंडिया,ऑक्सवर्ड यूनिर्वसिटी प्रेस,1994 7. भालचंन्द्र नेमाडे: नेटिबज्म 8. वृषाली मांद्रेकरः भारतीय साहित्य की मानवतावादी धाराएं,विद्या प्रकाशन, कानपुर,2015। 9. डॉ. आनंद पाटील : तुलनात्मक साहित्य : स्वरूप और सिध्दांत 10. लक्ष्मीकांत पांडेयःभारतीय साहित्य,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली,2016	

Programme(कार्यक्रम): M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम): - HNC 206

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक): Critics & Criticism

(आलोचक और आलोचना)

No. of credits (क्रेडिट): 4

Effective from Academic Year- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	आलोचना का अर्थ, उद्देश्य, इतिहास आदि का ज्ञान अपेक्षित है। साथ ही व्यावहारिक रूप में आलोचना कैसे की जाती है, इसका भी ज्ञान अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	आलोचना की अवधारणा, स्वरूप, भेद, हिन्दी आलोचना का विकास, शुक्लोत्तर युगीन आलोचना और उसके प्रमुख आलोचक तथा विशेष अध्ययन में रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह, निर्मला जैन की आलोचना दृष्टि से विद्यार्थियों को परिचित करना, पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।	
Content **(विषय वस्तु)**	आलोचना: अवधारणा, स्वरूप एवं भेद 2 हिन्दी आलोचना का विकास • भारतेन्दुयुगीन आलोचना और नवजागरण • महावीर प्रसाद द्विवेदी और पुर्नजागरण	8hours 12

	• रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि • छायावादी कवियों की आलोचना दृष्टि 3 शुक्लोत्तर आलोचना • आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना • हजारी प्रसाद द्विवेदी: मानवतावादी एवं सांस्कृतिक आलोचना 4 आलोचक: विशेष अध्ययन • रामविलास शर्मा • मुक्तिबोध • नामवर सिंह • निर्मला जैन	8 20
Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	नंदकिशोर नवल: हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011 विश्वनाथ त्रिपाठी: हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2003 कमला प्रसाद: आलोचक और आलोचना, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा, 2002 रेखा अवस्थी: प्रगतिवाद और समानान्तर साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012 मधुरेश: हिन्दी आलोचना का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012 रामचन्द्र तिवारी: हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016	

	रामविलास शर्मा: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014 रामविलास शर्मा: महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010 नेमिचन्द जैन(संपादन): मुक्तिबोध रचनावली भाग-4, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2007 नेमिचन्द जैन(संपादन): मुक्तिबोध रचनावली भाग-5, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2007 डॉक्टर श्यामसुन्दर दास: साहित्यालोचन, भारतय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2007 हजारी प्रसाद द्विवेदी: साहित्य सहचर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013 बच्चन सिंह: हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2015 डॉक्टर रामबक्ष: समकालीन हिन्दी आलोचक और आलोचना, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1991 निर्मला जैन: नयी समीक्षा के प्रतिमान, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2015 निर्मला जैन: हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014	

Programme(कार्यक्रम):M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNC 207

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Drama & Theatre

(नाटक एवं रंगमंच)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं में नाटक एवं रंगमंच एक महत्वपूर्ण विधा है। इस संदर्भ में नाटक एवं रंगमंच के स्वरुप एवं विकास के साथ-साथ कतिपय नाटकों का अध्ययन अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	नाटक एवं उसके विकास का अध्ययन आवश्यक है ।भारतेंदु एवं अन्य नाटककारों के समकालीन परिवेश के साथ-साथ कला एवं भाषिक पक्ष का अध्ययन करना ।	
Content (विषयवस्तु)	1. नाटक एवं रंगमंचः स्वरुप एवं परंपरा का विकास। • संस्कृत नाट्य परंपरा। • मध्ययुगीन लोकनाट्य परंपरा। • स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी नाटक एवं रंगमंच • स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	15

	2निर्धारित नाटक • भारत दुर्दशा - भारतेंदु हरिश्चंद्र • चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद • आषाढ का एक दिन - मोहन राकेश • माधवी - भीष्म साहनी • जिस लाहौर देख्या वो जम्यां नहीं- असगर वजाहत	 05 07 07 07 07
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	• चातक, गोविन्द, (2003), आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश , दिल्ली, जी-17, जगतपुरी, प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा.लि. • रस्तोगी, गिरीश, (1975), मोहन राकेश और उनके नाटक, इलाहाबाद, 15-ए, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रकाशन, लोकभारती • जैन, नेमिचंद्र, (1976), मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक (संपादन), दिल्ली, कश्मीरी गेट, राजपाल एंड सन्स, प्रकाशन • राकेश, अनीता, (2002), सतरें और सतरें, दिल्ली, जी-17, जगतपुरी, प्रकाशन, राधाकृष्ण, प्रा. लि. • राय, डॉ. नरनारायण, (1991), रंगशिल्पी मोहन राकेश, नई दिल्ली, ए- 55/1, सुदर्शन पार्क, मोतीनगर, प्रकाशन, कादंबरी • तनेजा, जयदेव, (2006), आधुनिक भारतीय रंगलोक, नई दिल्ली, 18 , इंस्टीट्यूंशनल एरिया, लोदी रोड, प्रकाशन, भारतीय ज्ञानपीठ • कुमार, सिद्धनाथ, (2004), नाट्यलोचन के सिद्धांत , नई दिल्ली, 21-ए,	

दरियागंज, प्रकाशन, वाणी

- प्रसाद, डॉ. प्रसून, (2008), मोहन राकेश के नाटक एक मूल्यांकन, हरियाणा, एस. सी. एफ. 267, सेक्टर-16 पंचकूला, प्रकाशन, आधार प्रा. लि.
- सिंह, डॉ. राजेश्वर प्रसाद, (1992), मोहन राकेश का नाट्य-शिल्प : प्रेरणा एवं स्रोत, गाजियाबाद, के. बी. 97, कविनगर, प्रकाशन, अमित
- राकेश, मोहन , (200 0), आषाढ़ का एक दिन, नई दिल्ली, कश्मीरी गेट, राजपाल एंड सन्स
- प्रेमलता, (199 3), आधुनिक हिंदी नाटक और भाषा की सृजनशीलता, इलाहाबाद, 15-ए, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रकाशन, लोकभारती
- रस्तोगी, डॉ . (श्रीमती) गिरीश , (19 90), समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना, हरियाणा, चण्डीगढ़, प्रकाशन, साहित्य अकादमी,
- जैन, नेमिचंद्र, (19 96), रंग परंपरा भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव, नई दिल्ली, 21 ए, प्रकाशन, वाणी
- चन्द्र, डॉ . (1987), नाट्य चिंतन : नये सन्दर्भ, कानपुर , 37 /50, गिलिस बाजार, प्रकाशन, साहित्य रत्नाकर
- रानी, डॉ . गुरदीप , (2009), मिथक सिद्धांत और स्वरूप, दिल्ली, A-402, विद्युत अपार्टमेंट , 81-आई. पी . एक्सटेंशन पटपड़गंज, प्रकाशन, बुक्मार्ट पब्लिशर्स
- ओझा, डॉ. मांधाता, सरदाना, डॉ. शशि, (2003), नाटक : नाट्य-चिंतन और रंग प्रयोग, दिल्ली, 1687, नई सड़क, प्रकाशक, कला मंदिर
- सार्त्र, ज्याँ पाल, (1986), मिथक गढ़नेवाले, आधुनिक नाटक का अन्वेषण : कुछ पश्चिमी दस्तावेज, अग्रवाल, कुंवरजी, श्री जैनेन्द्र प्रेस, नई दिल्ली, ए-44, फेज-1, नारायणा, प्रकाशन, मोतीलाल बनारसीदास

	• चातक, गोविन्द , (20 02), हिंदी नाटक इतिहास के सोपान, नई दिल्ली, 23/4761, अंसारी रोड, दरियागंज, प्रकाशन, तक्षशिला . डॉ. अज्ञातः भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, साहित्य रत्नालय,कानपुर,1997 • डॉ. गोविन्द चातक- आधुनिक नाटक का मसीहा मोहन राकेश • डॉ गिरीश रस्तोगी- हिन्दी नाटक- सिध्दान्त विवेचन • डॉ. दशरथ ओझा- हिन्दी नाटक- उद्भव और विकास • श्याम परमार- लोकधर्मी नाट्य परंपरा • जयदेव तनेजा- समसामयिक हिन्दी नाटको में चरित्र सृष्टि	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNC 208

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Another Form ofModern Prose

(आधुनिक गद्य की प्रकीर्ण विधाएं)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 Hours)

Effective from Academic Year- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृत्तआदि विधाओं कीसंक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	इन विधा ओं का सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक परिवेशों के अंतर्गत अध्ययन आवश्यक है ।	
Content (विषयवस्तु)	1.निबंध- • प्रतापनारायण मिश्र -ट • विद्यानिवास मिश्र- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है • रामवृक्षबेनीपुरी -नींव की ईट • हरिशंकर परसाई -बारह सौ छप्पन बटे सात • सुशील सिद्धार्थ -मालिश महापुराण	27
	2. संस्मरण -	15

	सुभद्राकुमारी चौहानः महादेवी वर्मा । 3. यात्रावृत्त - राहुल सांस्कृतायन : किन्नर देश में । 4. आत्मकथा - प्रभा खेतान : अन्या से अनन्या ।	
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, वृत्तचित्र ।	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1. रामचंद्र तिवारीः हिंदी का गद्य साहित्य 2. धीरेंद्र वर्माः हिंदी साहित्य कोश 3. रामस्वरुप चतुर्वेदीः गद्य विन्यास और विकास 4. बाबूराव देसाईः हिंदी आत्मकथा विद्याशास्त्र और इतिहास 5. ज्योति व्यासः आधुनिक हिंदी साहित्य में आत्मकथा और संस्मरण विधा, विद्या प्रकाशन, कानपुर,2016 6. संजय भुनेश्वरः हिंदी का दलित आत्मकथा साहित्य	

Programme(कार्यक्रम):M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO201

Title of the course (पाठ्यक्रम का शीर्षक):-History of Hindi Literature : Adikal, Bhaktikal evam Ritikal

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48Hours)

Effective from Academic Year- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय होना अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	हिंदी साहित्य के प्रति रुचि रखने वालों को साहित्य इतिहास के माध्यम से उसकी भूमिका काल विभाजन ,युग विशेष एवं साहित्य दृष्टि का अध्ययन होना आवश्यक है ।	
Content (विषयवस्तु)	1.हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका : • इतिहास -दर्शन साहित्येतिहास । • हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन के स्त्रोत । • हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा ।	12 Hours
	2. आदिकाल :अपभ्रंश और हिन्दी साहित्य । सिद्ध , नाथ और जैन साहित्य ।	12

	रासो काव्य की परंपरा और उसकी साहित्यिकता ।	
	3. भक्तिकाल : • भक्ति आंदोलन एवं सांस्कृतिक चेतना। • निर्गुण काव्यधारा प्रेममार्गी सूफी काव्य। • सगुण काव्यधारा -कृष्ण भक्ति काव्य ।राम भक्ति काव्य।	16
	4. रीतिकाल : • रीतिकाल: उद्भव एवं विकास । • दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य। • रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ ।	08
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, पीपीटी प्रस्तुतिकरण	

Programme(कार्यक्रम):M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO202

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):-History of Hindi Literature : Aadhunik Kaal

(हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी साहित्य का इतिहास एवं उसके विधाओं की जानकारी इस पाठ्यक्रम के लिए अपेक्षित हैं ।	
Objective (उद्देश्य)	प्रत्येक दशक में हिंदी काव्यधारा का रूप परिवर्तित होता है, इन परिवर्तित रूपों का एवं सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश का अध्ययन इस पाठ्यक्रम का महत्त्वपूर्ण पक्ष है।	
Content (विषयवस्तु)	1. आधुनिक हिन्दी साहित्य • आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि(- १७५७ १८५७) • भारतेन्दु युगीन काव्यधारा • द्विवेदी युगीन काव्यधारा • छायावाद • राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा । 2. छायावादोत्तर काव्य का संक्षिप्त परिचय • प्रगतिवादी काव्यधारा । • प्रयोगवादी काव्यधारा । • नयी कविता । • समकालीन कविता । 3. दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास ।	20 Hours 20 08

Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, पीपीटी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1. हिंदी साहित्य की भूमिका, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी:प्रकाशन , राजकमल, दिल्ली, संस्करण2016- 2. आधुनिक साहित्य : एक अध्ययन , मनीष ओझा ,भावना, डॉ . बिभा कुमारी , प्रकाशन: श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण2016- 3. हिंदी साहित्य :बीसवीं शताब्दी, नंददुलारे वाजपयी , प्रकाशन : लोकभारती , इलाहबाद, संस्करण2002- 4. आधुनिक साहित्य और इतिहासबोध ,नित्यानंद तिवारी, वाणी प्रकाशन , दिल्ली, संस्करण- 1994 5. ड़ॉ. माधव सोनटक्केःहिंदी साहित्य का इतिहास , विकास प्रकाशन,कानपुर, 1992 । 6. हिंदी साहित्य का इतिहास , आचार्य रामचंद्र शुक्ल , प्रकाशन संस्थान , दिल्ली, संस्करण-2003 7. हिंदी साहित्य का इतिहास , संपादक: डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, प्रकाशन: नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, संस्करण -2017	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO 203

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Indian Poetics

(भारतीय काव्यशास्त्र)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 Hours)

Effective from Academic Year- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	भारतीय काव्यशास्त्र की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	भारतीय काव्यशास्त्र की मान्यताओं का मूल्यांकन करना तथा भारतीय काव्यशास्त्र की प्रासंगिकता पर विचार करना।	
Content	1 काव्य का स्वरुप एवं उसके विविध रूप :	08

(विषयवस्तु)	2. काव्यालोचना के मानदंड (भारतीय) • रस सिद्धांत • अलंकार सिद्धांत • ध्वनि सिद्धांत • रीति सिद्धांत ▪ वक्रोक्ति सिद्धांत ▪ औचित्य सिद्धांत	 08 08 08 06 06 04
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, पीपीटी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1. भगीरथ मिश्रः काव्यशास्त्र ,विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी सं. १९८० 2. डॉ. नगेन्द्रः रीतिकाव्य की भूमिका ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली सं. १९५९ 3. डॉ. तारकनाथ बालीः भारतीय काव्यशास्त्र , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ,सं. २०१० 4.त्रिभुवन रायः भारतीय काव्य सिध्दांत एवं काव्य मीमांसा, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस दिल्ली सं. १९५९	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO 204

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Western Poetics

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	पाश्चात्य विचारकों के चिंतन की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे । विभिन्न विचारधाराओं के सम्बन्ध में पाश्चात्य विद्वानों की दृष्टि को समझ सकेंगे ।	
Content (विषयवस्तु)	• प्लेटो : काव्य -सि ध्दान्त । • अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन सि ध्दान्त, त्रासदी • लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा । • कॉलरिज, वर्डसवर्थ : स्वच्छंदतावाद । • मैथ्यू आर्नल्ड : काव्य-सि ध्दान्त । • क्रोचे : अभिव्यंजनावाद ।	6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours

	• आई. ए. रिचर्डस : मूल्य एवं सम्प्रेषण। • टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता - सि ध्दान्त	6 Hours 6 Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	१.देवेन्द्रनाथ शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1984 । २.निर्मला जैन,कुसुम बॉठिया: पाश्चात्य साहित्य चिंतन,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2009 । ३.गणपतिचन्द्र : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009 । ४.डॉ. सभापति मिश्र : भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य-चिंतन, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 2007 । ५.तारकनाथ बाली : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,संस्करण, 2010।	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO -205

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):-Contemporary Hindi Poetry: Practical Criticism

(समकालीन हिन्दी कविता : व्यावहारिक समीक्षा)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	समकालीन हिंदी कविता तथा उसकी पृष्ठभूमि की जानकारी अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	समकालीन हिंदी कविता की मूलसंवेदना एवं स्वरूपगत प्रवृत्तियों की चर्चा करना तथा समय और समाज के परिवर्तित, परिवेशगत यथार्थ को कविता के माध्यम से समझते हुए, उसकी भाषिक संरचना पर प्रकाश डालना।	
Content (विषयवस्तु)	• समकालीन कविता अवधारणा :, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां। • नई कविता एवं समकालीन कविता • विविध काव्यांदोलन। • व्यावहारिक समीक्षा केमानदंड । चयनित कवि एवं उनकी कविताएं : **1.** शमशेर बहादुर सिंह - प्रतिनिधि कविताएं -(सं) नामवर सिंह निराला के प्रति बात बोलेगी अमन का राग न पलटना उधर तुझसे होड़ है मेरी **2.** सर्वेश्वर दयाल सक्सेना-खूंटियों पर टंगे लोग- काव्य संग्रह	

	जंगल की याद मुझे मत दिलाओ शब्दों को ठेला पोस्टमार्टम की रिपोर्ट जरूरत है एक सरकारी जासूस की एक छोटी-सी मुलाकात **3.** केदारनाथ सिंह - अकाल में दूब मातृभाषा टूटा हुआ ट्रक जनहित का काम भिखारी ठाकुर **4.** धूमिल- संसद से सडक तक (कविता संग्रह) बीस साल बाद मोचीराम शहर का व्याकरण भाषा की रात पटकथा **5.** दुष्यंत कुमार - साये में धूप (गजल संग्रह) कहां था तय था चिरागाँ ये सारा जिस्म इस नदी की धार भूख है तो सब कर अब किसी को नजर आता नहीं	

Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद -विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	१.नंदकिशोर नवल: समकालीन काव्य -यात्रा, किताबघर नई दिल्ली , सं. १९९४ २. निर्मला जैन: आधुनिक साहित्य: मूल्य और मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली सं. १९९३ ३. रामस्वरूप चतुर्वेदी: नई कवितायेँ एक साक्ष्य,लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं. १९९० ४.डॉ. सुरेशचंद्र पांडेय एवं डॉ. उमाशंकर तिवारी (सं.): समकालीन काव्य , संजय बुक सेंटर वाराणसी सं. १९९८ ५.डॉ. रतन कुमार पांडेयः समकालीन कविता संवेदना और शिल्प,संजय बुक सेंटर वाराणसी सं. १९९६ ६.विजय कुमार (सं.) सदी के अंत में कविताः उद्भावना प्रकाशन दिल्ली, अक्टूबर१९९७ -मार्च १९९८ ७. केदारनाथ सिंहःके. सच्चिदानंद (सं.) ताना बाना, किताबघर प्रकाशन नई दिल्ली सं. २००० ८.श्रीनिवास शर्माः हिंदी साहित्य: समकालीन परिदृश्य, नवागत प्रकाशन कलकत्ता सं. १९८८ ९. रवीन्द्रनाथ मिश्रःअंतिम दशक की हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं. २०१३	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO 206

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Hindi Story

(हिंदी कहानी)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	कहानी की मौखिक लिखित परंपरा, कहानी विधा का सामान्य परिचय, कहानी इतिहास का ज्ञान अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	हिन्दी कहानी पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी कहानी का परंपरा , इतिहास, कहानी के विभिन्न आंदोलन, उनके उदभव होने के कारण, सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों का महत्व और उससे कहानी में क्या बदलाव हुए आदि का निर्धारित कहानियों के द्वारा	

	ज्ञान कराना उद्देश्य है।	
Content (विषयवस्तु)	1. कहानीः उद्भव एवं विकास। 2. निर्धारित रचनाएं • प्रेमचंद: मिस पद्मा • जैनेन्द्र: नीलमदेश की राजकन्या • राजेन्द्र यादव: टूटना • मृदुला गर्ग: तीन किलो की छोरी • अर्चना वर्मा: राजपाट • देवेन्द्र: नालंदा पर गिद्ध • अब्दुल बिस्मिल्लाह: अतिथि देवोभव • संजय खाती: पिंटी का साबुन • अरुण प्रकाश: जलप्रांतर • शेखर जोशी: दाज्यू • सुशीला टाकभौरे: छौआ मां • स्वयं प्रकाश: क्या तुमने कभी कोई सरदार भिखारी देखा है	07 03 03 03 03 04 04 03 04 03 03 04 04
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण,पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, वृत्तचित्र	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.गोपाल राय: हिन्दी कहानी का इतिहास भाग-1 (1900 से 1950), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014 2.गोपाल राय: हिन्दी कहानी का इतिहास भाग-2 (1951 से 1975), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014 3.गोपाल राय: हिन्दी कहानी का इतिहास भाग-3 (1976 से 2010), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014	

	4.सुरेन्द्र चौधरी: हिन्दी कहानी प्रक्रिया और पाठ, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1995 5.विश्वनाथ त्रिपाठी: कुछ कहानियां कुछ विचार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2015 6.विश्वनाथ त्रिपाठी: कहानी के साथ-साथ, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2016 7.देवीशंकर अवस्थी: नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1973 8.पुष्पपाल सिंह: समकालीन कहानियां: नया परिप्रेक्ष्य, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2011 9.मधुरेश: हिन्दी कहानी का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014 10.राजेन्द्र यादव: कहानी: स्वरूप और संवेदना, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1998 11.कमलेश्वर: नई कहानी की भूमिका, शब्द संधान दिल्ली, 1966 12.नामवर सिंह: कहानी: नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1973 13.गौतम सान्याल: कहानी में अनुपस्थित, मेधा प्रकाशन, दिल्ली, 1999 14.शंभु गुप्त: कहानी यथार्थवाद से मुक्ति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2016 15.डॉक्टर एन. मोहन(संपादन): समकालीन हिन्दी कहानी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2007	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO 207

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Hindi Novel

(हिंदी उपन्यास)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 Hours)

Effective from Academic Year- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी साहित्य की इस सशक्त विधा की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है l	
Objective (उद्देश्य)	हिंदी उपन्यासों में प्रेमचंद एवं प्रेमचन्दोत्तर परम्परा का महत्वपूर्ण स्थान है, उनके साथ- साथ परवर्ती उपन्यासों का अध्ययन आवश्यक हैं l संवेदन पक्ष एवं रचना शिल्प, आधुनिक जीवन बोध और उसकी अनुभूतियों को समग्र परिवेश के साथ जानने के लिए चयनित पांच उपन्यासों का अध्ययन आवश्यक है l	

Content **(विषयवस्तु)**	1. हिंदी उपन्यास का उद्भव एवं विकास 2. निर्धारित रचनाएं - • गोदान - प्रेमचंद • मैला आंचल - फणीश्वरनाथ रेणु • अज्ञेय - अपने- अपने अजनबी • सूखा बरगद - मंजूर एहतेशाम • नाला सोपारा - चित्रा मुद्गल	8 Hours 8 Hours 8 Hours 8Hours 8 Hours 8 Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद – विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.चंद्रकांत बंदिवाडेकरःआधुनिक हिंदी उपन्यास सृजन और आलोचना, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली, संस्करण 1985 2.विद्या सिन्हा: आधुनिक परिदृश्य आंचलिकता और हिंदी उपन्यास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2001 3.डॉ. ज्ञानचंद गुप्तः आंचलिक उपन्यास अनुभव और दृष्टि, राधा पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, संस्करण 1995 4. संपादिका गरिमा श्रीवास्तवः उपन्यास का समाजशास्त्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2006 5.डॉ. दंगल झाल्टे :उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 1987 6.डॉ. उषा डोगराःहिंदी के उपन्यासों का लोकतात्विक विमर्श, अनुभव प्रकाशन, कानपुर, संस्करण 1984 7.डॉ. गरिमा श्रीवास्तवःहिंदी उपन्यासों में बौद्धिक विमर्श, संजय प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1999	

	8.बीना जैनःबदलते परिप्रेक्ष्य और हिंदी उपन्यास, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2006 9.डॉ. संजय चौहानःउत्तर आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, आशा बुक्स दिल्ली, संस्करण 2011 10.शंकर वसंत मुद्गलः हिंदी के महाकाव्यात्मक उपन्यास, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर, संस्करण 1992 11.डॉ. इ. विजय लक्ष्मीःउपन्यासों के सरोकार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2015 12.खगेन्द्र ठाकुरःउपन्यास की महान परम्परा, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2012 13.डॉ. प्रेम सिंहःक्रांति का विचार और हिंदी उपन्यास (अज्ञेय यशपाल और रेणु का विशिष्ट संदर्भ), भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, संस्करण 2000 14.डॉ. आशा बागड़ीःप्रेमचंद परवर्ती उपन्यास साहित्य में पारिवारिक जीवन, शोध प्रबंध प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 1974. 15.उषा मंत्रीः हिंदी उपन्यास में पारिवारिक सन्दर्भ, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली, संस्करण 1991 16. इशरत खानः महिला उपन्यासकार एक मूल्यांकन, विद्या प्रकाशन,कानपुर,2014।	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO - 208

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Study of Special Author -Amrutlal Nagar

(रचनाकार का विशेष अध्ययन: अमृतलाल नागर)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 HOURS)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	प्रेमचंद की साझी साहित्यिक परंपरा का ज्ञान अपेक्षित है। साझी साहित्यिक परंपरा के कारण ही हिन्दू-मुस्लिम समाज के बीच किस तरह के संबंध रहे हैं , इसका ज्ञान रखना जरूरी है तभी नागर के साहित्य को समझने में आसानी रहेगी।	
Objective (उद्देश्य)	आजादी के पहले से दौर से लेकर बाद के दौर अमृतलाल नागर ने हिन्दू-मुस्लिम समाज को केन्द्र में रखकर साहित्य रचा है। रचनाकार का विशेष अध्ययन पाठ्यक्रम के अंतर्गत अमृतलाल नागर के जीवन, परिवेश, वैचारिक दृष्टि, रचनाएं और निर्धारित पाठ्य सामग्री पैरोडी कविताएं, कहानियां, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, संस्मरण, आत्मकथा के द्वारा अमृतलाल नागर को सम्पूर्णता में विद्यार्थियों को ज्ञान कराया जायेगा।	
Content (विषयवस्तु)	1. अमृतलाल नागर •जीवन, परिवेश एवं रचनाएं। •वैचारिक दृष्टि 2. निर्धारित पाठ्य सामग्री •कहानियां: प्रायश्चित, लखनवी होली, एक दिल हजार अफसाने	4 HOURS 6 HOURS 10 HOURS

	•उपन्यास: भूख, बूंद और समुद्र 3.निबंध: • भारतीय साहित्य में प्रेमचंद का स्थान • अवध और उसकी संस्कृति • भारतीय साहित्य कुछ सवाल 4.संस्मरण: • गढ़कोला में पहली निराला जयंती • तीस बरस का साथी रामविलास शर्मा • किसान कवि पढ़ीस 5.पैरोडी कविताएं • किसान • जूही की कली 6. फिल्म: कल्पना 7.नाटक: युगावतार 8.आत्मकथाः टुकडे टुकडे दास्तान	6 HOURS 4HOURS 4HOURS 2HOURS 4HOURS 4 HOURS 4HOURS
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1. अमृतलाल नागर: एक दिल हजार अफसाने(अमृतलाल नागर की सम्पूर्ण कहानियां), राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2015 2. अमृतलाल नागर: हम फ़िदा-ए-लखनऊ, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2015 3. शरद नागर(संकलन एवं संपादन): सम्पूर्ण बाल रचनाएं अमृतलाल नागर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013 4. डॉक्टर शरद नागर(संकलन एवं संपादन): फिल्मक्षेत्रे-रंगक्षेत्रे अमृतलाल नागर, वाणी	

	प्रकाशन दिल्ली, 2003 5. अमृतलाल नागर: भूख, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2016 6. अमृतलाल नागर: बूंद और समुद्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1998 7. विष्णुचन्द्र शर्मा (संपादन): पक्षधर यथार्थ के कथाकार, यशपाल, अमृतलाल नागर, रेणु, स्वराज प्रकाशन दिल्ली, 2001 8. हेमराज कौशिक: अमृतलाल नागर के उपन्यास, प्रकाशन, संस्थान, दिल्ली, 1985 9. नागेश त्रिपाठी: अमृतलाल नागर के उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन, वैशाली प्रकाशन, गोरखपुर, 1993 10. डॉक्टर रामरती: अमृतलाल नागर के उपन्यासों में चित्रित राजनीति, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2008 11. ज्ञानचंद जैन :कथाशेष, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999 12. गोपाल राय: हिन्दी कहानी का इतिहास(1951-1975), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011 13. उषा यादव, राजकिशोर सिंह(संपादन): हिंदी बाल साहित्य एवं बाल विमर्श, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2014 14. उत्तर प्रदेश अमृतलाल नागर विशेषांक(संपादक: कुमकुम शर्मा): सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, लखनऊ, अगस्त-सितंबर 2015 15. आजकल: अमृतलाल नागर विशेषांक(संपादक: राकेश रेणु), दिल्ली, अगस्त 2016.	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO - 209

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):-Translation

(अनुवाद)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 HOURS)

Effective from Academic Year:-2018-19

Prerequisities for the	अनुवाद का अध्ययन करने हेतु दो तीन भाषाओं का अध्येता होना अपेक्षित है ।	

course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)		
Objective (उद्देश्य)	भारत जैसे बहुभाषी देश में परस्पर विचारों के आदान प्रदान के लिए अनुवाद का पाठ्यक्रम में होना आवश्यक है । प्रविधियों, प्रकारों, समस्याओं के अध्ययन के साथ-साथ हिंदी , मराठी , कोंकणी एवं अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करने का प्रयास अपेक्षित है । सैद्धांतिक धरातल पर अनुवाद का पाठ्यक्रम में समावेश नहीं है बल्कि व्यावहारिक पक्ष को भी मद्देनज़र रखा जाना चाहिए ।	
Content (विषयवस्तु)	1. अनुवाद . ○ परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र । ○ सिद्धान्त एवं प्रक्रिया । 2. अनुवाद की इकाईयां ○ शब्द ○ पदबंध ○ वाक्य एवं पाठ । 3. अनुवाद के भेद ○ शब्दानुवाद ○ भावानुवाद ○ छायानुवाद ○ आशु अनुवाद	8 Hours 6 Hours 8 Hours

	4. अनुवाद की समस्याएं ○ कार्यालयीन अनुवाद ○ साहित्यिक अनुवाद (काव्य, कथा, नाटक, एवं अन्य विधाएं) ○ मीडियागत अनुवाद 5. अनुवाद के साधन ○ शब्दकोश ○ पारिभाषिक शब्दावली ○ साहित्यिक कोश ○ थियारस एवं कंप्यूटर 6. अनुवाद प्रासंगिकता -, महत्व एवं सीमाएं । 7. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष अंग्रेजी से हिन्दी, कोंकणी से हिन्दी एवं मराठी से हिन्दी।	10 Hours 6 Hours 4 Hours 6 Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.भोलानाथ तिवारी, ओमप्रकाश गाबा :अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, शब्दकार, दिल्ली, १९७८ 2.भोलानाथ तिवारी :अनुवाद विज्ञान,शब्दकार, दिल्ली, १९७२ 3.भोलानाथ तिवारी,किरण बाला : भारतीय भाषाओं से हिन्दी अनुवाद की समस्याएं,शब्दकार, दिल्ली, १९८४ 4.डॉ. गरिमा श्रीवास्तव : आशु अनुवाद, संजय प्रकाशन, दिल्ली, २००३ 5.डॉ. कृष्णकुमार रत्तू : अनुवाद और मीडियाः नई सदी में सिध्दांत स्वरूप, नेशनलपब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,2002 ।	

	6.डॉ. पूरनचंद्र टंडन हरीशकुमार सेठी: अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली, २००५ 7. डॉ. सुरेश कुमार: अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011. 8. रीतारानी पालीवाल: अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य,वाणी प्रकाशन, दिल्ली,2015 9. डॉ. मनोहर सराफ़: अनुवाद सिद्धान्त एवं स्वरूप, डॉ. शिवाकांत गोस्वामी,विद्या प्रकाशन,कानपुर, १९८९ 10. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी : अनुवाद सिद्धान्त और समस्या, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, १९८५	

Programme(कार्यक्रम):- M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO - 210

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- MASS MEDIA AND JOURNALISM

(जनसंचार माध्यम एवं पत्रकारिता)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 HOURS)

Effective from Academic Year- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	अखबार, रेडिओ, टीवी, इन्टरनेट आदि जनसंचार - माध्यमों का परिचय होना अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को जनसंचार, पत्रकारिता,सिनेमा, विज्ञापन, संगणक केस्वरूप एवं विकास की जानकारी देनाआवश्यक है ।	
Content (विषयवस्तु)	1.मुद्रण माध्यम (हिंदी पत्रकारिता) • पत्रकारिता अवधारणा, स्वरूप एवं विकास । • स्वतंत्रतापूर्व पत्रकारिता । • स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता ।	10

	2. समाचार-पत्र • समाचार-पत्र अवधारणा एवं स्वरुप । • समाचार-पत्र प्रकाशन की प्रक्रिया । 3.इलेक्ट्रानिक माध्यमः आकाशवाणी (रेडियो) 4.चलचित्र (सिनेमा) • स्वरुप, उद्भव एवं विकास । • व्यावसायिक एवं कलाफिल्म । 5. दूरदर्शन • परिचय, लेखन एवं महत्व । 6. विज्ञापनःस्वरुप, उद्भव एवं विकास । 7. चर्चा, परिचर्चा एवं साक्षात्कार । 8. संगणक(कंप्यूटर), स्वरुप, , क्षेत्र एवं महत्व ।	08 04 08 06 04 04 04
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, फिल्म,वृत्तचित्र , साक्षात्कार ।	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1. कृष्ण बिहारी मिश्रः हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ,नई दिल्ली, संस्करण 2006 । 2. वेदप्रताप वैदिकः हिंदी पत्रकारिताः विविध आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,1976 ।	

	3. नंदकिशोर खन्नाःसमाचार संकलन और लेखन,हिंदी लेखन समिती,लखनौ, 1970 । 4. अर्जुन तिवारीः स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1982 । 5. रामचंद्र तिवारीःपत्रकारिता के विविध रूप,आलेख प्रकाशन, दिल्ली । 6. अर्जुन तिवारीः आधुनिक पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली, 2004 । 7. मनमोहन चड्डाः हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990 । 8. हिंदी पत्रकारिताके नये प्रतिमान : बच्चन सिंह, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, संस्करण 1997 9. हिंदी पत्रकारिता : धीरेन्द्र नाथ सिंह, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, संस्करण 2003 10. हिंदी पत्रकारिता की भूमिका : सनत कुमार, संवाद प्रकाशन इन्दोर, संस्करण 1993 11. हिंदी पत्रकारिता दूरदर्शन टेलिफिल्म : सविता चड्ढा, दिल्ली राजसूर्य प्रकाशन, संस्करण 2000 12. जनसंचार और पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद, संस्करण 1999	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO- 211

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):-Folk Literature

(लोक साहित्य)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 HOURS)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	जनसंस्कृति, भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की संक्षिप्त जानकारी होना अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	लोकसाहित्य के विविध आयामों को मद्देनजर रखते हुए हिन्दी क्षेत्रों की लोकसंस्कृति का अध्ययन आवश्यक है । परंपरा, प्रगति साहित्य एवं संस्कृति के पारस्परिक सम्बन्धों को जानना भी जरूरी है ।	
Content (विषयवस्तु)	1. लोक अवधारणा एवं स्वरूप : साहित्य 2. लोक - साहित्य की परंपरा । 3. लोक - संस्कृति और साहित्य । 4. लोक - साहित्यः अध्ययन- प्रक्रिया, संकलन एवं समस्याएं । 5. लोक - साहित्य और अभिजात्य साहित्य का अंतःसंबंध । 6.लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणः लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियां, लोक संगीत आदि । 7. लोक संस्कृति की प्रासंगिकता ।	6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 12 Hours 6 Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद- विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	

References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.रमेश कुंतल मेघ:मिथक से आधुनिकता तक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2008 2. डॉ. रमेश गौतम:मिथकीय अवधारणा और यथार्थ, राधा रानी प्रकाशन नई दिल्ली, संस्करण 1997 3. दामोदर धर्मानंद कोसंबी, अनुवादक- नन्द किशोर नवलःमिथक और यथार्थ (भारत की सांस्कृतिक संरचना का अध्ययन), ग्रन्थ शिल्पी नई दिल्ली, संस्करण 2001 4. रामनारायण अग्रवालः हिंदी की ख्याल लावनी परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण 1997 5. डॉ. कृष्णदेव उपाध्यायःलोक संस्कृति की रूपरेखा, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद, संस्करण 1988 6. डॉ. हीरालाल तिवारीःगंगाघाटी के गीत, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण 1980 7. श्री नारायण पाण्डेय:साहित्य और लोक साहित्य, शांति प्रकाशन इलाहाबाद, संस्करण 1990 8.डॉ सन्तराम अनिलःकन्नौजी लोक साहित्य, अभिनव प्रकाशन दिल्ली, संस्करण 1975 9. इंद्र देव सिंह: लोक साहित्य, प्रकाशन केंद्र लखनऊ, संस्करण 1999 10.डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी:संस्कृति की धरोहर (बैसवाड़ी अन्चल में लोकगीत), आशिष प्रकाशन, कानपुर, संस्करण 2006 11. डॉ. सुरेश गौतम: लोक साहित्य अर्थ और व्याप्ति, संजय प्रकाशन नई दिल्ली, संस्करण 2015 12.संपादक रसाल सिंह :हिंदी का लोक कुछ रस, कुछ रंग, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, संस्करण 2015 13.श्याम परमार :भारतीय लोक साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,	

	14.धीरेन्द्र वर्मा: हिन्दी साहित्य कोश, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी 15. डॉ. रामनिवास शर्मा: लोकसाहित्य का लोकतत्व, निर्मल पब्लिकेशन, संस्करण २००३ 16. संपादक - राधेश्याम धूत, डॉ. कृष्णगोपाल शर्मा: साहित्य एवं संस्कृति चिंतन, लेखक- डॉ.राधेश्याम शर्मा, बुक एनक्लेव, जयपुर, २००४ 17. डॉ. श्रीराम शर्मा : लोक साहित्यः स्वरूप और मूल्यांकन, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली, १९९७ 18. डॉ. गणेशदत्त सारस्वत:हिन्दी लोक साहित्य, विद्या विहार,कानपुर, १९८१ 19. डॉ. बापूराव देसाई:लोक साहित्य, विनय प्रकाशन, कानपुर, १९९६	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO - 212

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Literature:Thought & Philisophy

(साहित्य:विचार एवं दर्शन)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 HOURS)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	भारतीय एवं पाश्चात्य मनीषियों एवं चिंतकों के वैचारिक एवं दार्शनिक मान्यताओं के आधार पर हिंदी साहित्य की समझ को विकसित करना।	
Objective (उद्देश्य)	1. भारतीय चिंतन परंपरा के माध्यम से हिंदी साहित्य का अवलोकन। 2. हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन परंपरा के प्रभाव को रेखांकित करना।	
Content (विषयवस्तु)	1.वैदिक दर्शन: वैचारिक पृष्ठभूमि 2.भारतीयदर्शन:अद्वैतवाद,शुद्धाद्वैतवाद,विशिष्टाद्वैतवाद,द्वैतवाद,द्वैताद्वैतवाद, बौद्ध एवं जैन दर्शन । 3.मार्क्सवाद : अवधारणा एवं स्वरूप 4.अस्तित्ववाद : अवधारणा एवं स्वरूप । 5.मनोविश्लेषणवाद :अवधारणा एवं स्वरूप । 6.गांधीदर्शन : अवधारणा एवं स्वरूप । 7.समाजवादी दर्शन : अवधारणा एवं स्वरूप । (डॉ. राममनोहर लोहिया, श्री मधु लिमये आदि के संदर्भ में)	8 Hours 10 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours

Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:भारतीय दर्शन भाग १,राजपाल एण्ड सन्स ,दिल्ली, 2012 । 2.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:भारतीय दर्शन भाग २, राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली, 2013 । 3.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:उपनिषदों का संदेश,राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली 1997 । 4.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:सत्य की खोज,राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2013 5.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:गौतम बुद्ध- जीवन दर्शन, मंजुल पब्लिशिंग हाउस,,दिल्ली,1899 । 6.डॉ. कर्णसिंह: मेरा जीवन दर्शन,राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली 2013 । 7.जे. कृष्णमूर्ति: ईश्वर क्या है, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2012 । 8.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन: भारतीय संस्कृति कुछ विचार, राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,1997 ।	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO-13

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Rachnatmak Lekhan

(रचनात्मक लेखन)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित: रचनात्मकता की साधारण जानकारी अपेक्षित है। जिसमें संवेदना क्या है? साहित्य में भावों को कैसे रचा जाता है? आदि।	
उद्देश्य	प्रस्तुत पाठ्यक्रम में भाषा एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया , अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र , लेखन के विविध रूप , पक्षधरता का सवाल , साहित्य में बिंब , फैंटेसी, प्रतीक, जादुई यथार्थवाद का प्रयोग , कविता में संवेदना का महत्व , काव्य रूप , भाषा का सौष्ठव , कथा साहित्य में पात्र परिवेश, नाट्य साहित्य में पात्र-परिवेश के साथ रंगकर्म और गद्य के विविध विधाओं में लेखन कैसे किया जाता है आदि का ज्ञान कराना उद्देश्य है। इसके साथ निर्धारित रचनाओं के माध्यम से रचनात्मकता के विविध रूपों का ज्ञान कराना भी अपेक्षित है।	
	1. रचनात्मक लेखनः अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत • भाषा एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया • विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विविध गद्य अभिव्यक्तियां • लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाल लेखन। • रचनात्मक लेखन: पक्षधरता का सवाल, लेखन की परंपरा। • रचना सौष्ठव: शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, फैंटेसी, जादुई यथार्थवाद।	12hours

	2. विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन • कविता: संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव। • कथा साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श। • नाट्य साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म। • विविध गद्य-विधाएं: संस्मरण, यात्रा साहित्य, साक्षात्कार, समीक्षा।	14
	3. निर्धारित रचनाएं • उपन्यास: कई चांद थे सरे आसमां-शम्सुर रहमान फारूकी • कहानियां: पांच का सिक्का-अरुण कुमार असफल, कॉमरेड का कोट-सृंजय • कविता: बाघ और सुगना मुंडा की बेटी - अनुज लुगुन • यात्रा-वृत्तांत: वह भी कोई देश है महाराज-अनिल यादव	22
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण,पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, वृत्तचित्र ।	

Programme(कार्यक्रम):- M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO-14

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक): Uttar Aadhunik Vimarsh

(उत्तर आधुनिक विमर्श)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आधुनिकता का इतिहास , आधुनिकता के विविध रूप और अवधारणा की जानकारी अपेक्षित है। साहित्य के संदर्भ में इसकी क्या भूमिका रही है , यह भी जरूरी है।	

उद्देश्य	प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आधुनिकता ,आधुनिकतावाद की अवधारणा, उत्तर आधुनिक विमर्श, आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता में अंतरसम्बन्ध तथा उत्तर आधुनिक विमर्श के विभिन्न क्षेत्रों जैसे साहित्य , समाज, राजनीति, धर्म का जुड़ाव और स्त्री, दलित, आदिवासी, विस्थापन विमर्श का क्या स्वरूप निर्मित हो रहा है, का ज्ञान कराना मुख्य उद्देश्य है। इसके साथ ही विभिन्न रचनाओं को आधार बनाकर उत्तर आधुनिक विमर्श को विवेचित करना आवश्यक है।	
	1. आधुनिकता और आधुनिकतावाद: अवधारणा एवं स्वरूप। • उत्तर आधुनिक विमर्श • आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता का अंतरसम्बन्ध	12hours
	2. उत्तर आधुनिक विमर्श: बाजारवाद और भूमंडलीकरण • उत्तर आधुनिक विमर्श का अन्य क्षेत्रों से सम्बन्ध: साहित्य, समाज, राजनीति, संस्कृति, धर्म। • उत्तर आधुनिक विमर्श की परंपरा: स्त्री, दलित, आदिवासी, विस्थापन।	14
	3. निर्धारित रचनाएं • कविता: केदारनाथ सिंह: अकाल में दूब, विष्णु खरे: सिर पर मैला ढोने की प्रथा, अनामिका: स्त्रियां • कहानियां: उदय प्रकाश: तिरिछ, पंकज बिष्ट: बच्चे गवाह नहीं हो सकते, महेश कटारे: मुर्दा स्थगित	22

	• उपन्यास: वीरेन्द्र जैन: डूब, मनोहर श्याम जोशी: कुरु कुरु स्वाहा • नाटक: सुरेन्द्र वर्मा: आठवां सर्ग	
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण,पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, वृत्तचित्र ।	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1. सुधीश पचौरी: उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2000 2. सुधीश पचौरी: देरिदा का विखंडनवाद और साहित्य, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 1997 3. सुधीश पचौरी: देरिदा विखंडन की सैद्धांतिकी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2014 4. अभय कुमार दुबे(संपादन): आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2008 5. अभय कुमार दुबे(संपादन): भारत का भूमंडलीकरण, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2002 6. शशिभूषण पाण्डेय: उत्तर आधुनिक बहुआयामी संदर्भ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010 7. रवि श्रीवास्तव: उत्तर आधुनिकता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, 2006 8. कृष्णदत्त पालीवाल: उत्तर आधुनिकता की ओर , वाणी प्रकाशन , दिल्ली, 2016 9. गोपीचंद नारंग: संरचनावाद , उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2005 10. पुष्पपाल सिंह: भूमंडलीकरण और हिन्दी उपन्यास , राधाकृष्ण	

	प्रकाशन, दिल्ली, 2012 11.अभय कुमार दुबे(संपादन): समाज विज्ञान कोश भाग 1 से 6, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016 12.सुधा सिंह: ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ , ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन , दिल्ली, 2008 13.गोपा जोशी: भारत में स्त्री असमानता एक विमर्श , हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, 2011 14.साधना आर्य , निवेदिता मेनन , जिनी लोकनीता(संपादक): नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे,हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, 2013 15.राधा कुमार: स्त्री संघर्ष का इतिहास(1800-1900),(अनुवाद एवं संपादन: रमाशंकर सिंह दिव्यदृष्टि) वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011 16.प्रभा खेतान: उपनिवेश में स्त्री मुक्ति कामना की दस वार्ताएं , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014	

Programme(कार्यक्रम):- M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO - 215

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):-Hindi Autobiography Literature

(हिन्दी आत्मकथा साहित्य)

No. of credits (क्रेडिट):- 02 (24 HOURS)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	आत्मकथा क्या है, आत्मकथा किसके द्वारा लिखी जाती है तथा आत्मकथा इतिहास का संक्षिप्त ज्ञान अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य आत्मकथा का अर्थ , स्वरूप, विकास का गहराई से परिचित कराना है। साथ ही चयनित आत्मकथाओं में रचनाकार का व्यक्तित्व कितना अभिव्यक्त हुआ और युगीन समस्याएं को किस हद तक प्रस्तुत किया गया है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान करना उद्देश्य है।	
Content (विषयवस्तु)	(1) आत्मकथा: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास (2) चयनित आत्मकथाएं। • यशपाल: सिंहावलोकन • निर्मला जैन: जमाने में हम	4 hours 5hours 5hours

	• तुलसीराम: मुर्दहिया • रमणिका गुप्ता: हादसे	5hours 5hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1. यशपाल: सिंहावलोकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007 2. निर्मला जैन: जमाने में हम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012 3. तुलसीराम: मुर्दहिया, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012 4. रमणिका गुप्ताः आपहुदरी(एक जिद्दी लड़की की आत्मकथा), सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2015 5. डॉक्टर धीरेन्द्र वर्मा(प्रधान संपादक), ब्रजेश्वर वर्मा, धर्मवीर भारती, रामस्वरूप चतुर्वेदी(संयोजक): हिन्दी साहित्य कोश भाग-1(पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 1985 6. डॉक्टर विश्वबंधु शास्त्री विद्यालंकार: हिन्दी का आत्मकथा साहित्य, राधा प्रकाशन, दिल्ली, 1984 7. डॉक्टर आनंद सिन्दल: आत्मकथा: साहित्य, सिध्दांत और समीक्षा, अमन प्रकाशन, कानपुर, उत्तर प्रदेश, 2014 8.डॉक्टर हरिमोहन: साहित्यिक विधाएं पुनर्विचार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1997 9.पंकज चतुर्वेदी: आत्मकथा की संस्कृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2003	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO - 216

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):-Hindi Memoir Literature

(हिन्दी संस्मरण साहित्य)

No. of credits (क्रेडिट):-02 (24 HOURS)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	संस्मरण किसे कहते हैं , संस्मरण और स्मृति में क्या अंतर है , कैसे कोई घटना, जीवन का कोई प्रसंग संस्मरण बन जाता है आदि का ज्ञान अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम में संस्मरण का अर्थ , परिभाषा, स्वरूप एवं विकास के इतिहास का ज्ञान कराना मुख्य उद्देश्य है। साथ ही निर्धारित संस्मरण साहित्य से संस्मरण में आए व्यक्ति/रचनाकार के जीवन संघर्ष , जीवन स्वप्न, उसकी विचारधारा आदि का ज्ञान कराना भी आवश्यक है।	
Content (विषयवस्तु)	1.संस्मरण साहित्य: अर्थ ,परिभाषा, स्वरूप एवं विकास 2.निर्धारित संस्मरण •हरकिशन सिंह सुरजीत: संगठित किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानंद सरस्वती •फणीश्वरनाथ रेणु: अपने अपने त्रिलोचन •मंटो: इस्मत चुगताई और मैं •कांतिकुमार जैन: बैकुंठपुर में बचपन •विजय मोहन सिंह: एक दरवेश की दास्तान(भीष्म साहनी) • सिध्दार्थ सिंह: नामवर सिंह और नामवर बाबूजी	4 Hours 4 Hours 3 Hours 2 Hours 3 Hours 3 Hours 3 Hours

	•अनिता राकेश: चंद सतरे	2Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.राहुल सांकृत्यायनः स्वप्न और संघर्ष(संपादक: जयप्रकाश धूमकेतु) प्रभाष प्रकाशन इलाहाबाद, 2008 2.फणीश्वरनाथ रेणु संचयिता (संपादक: सुवास कुमार) मेधा बुक्स, शाहदरा दिल्ली, 2003 3.नया पथ भीष्म साहनी जन्मशताब्दी विशेषांक(संपादक: मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चैहान), अप्रैल-सितंबर 2015, 42 अशोक रोड दिल्ली 4.अभिनव कदम 26 स्वामी सहजानंद सरस्वती: किसान विशेषांक-1 महारूद्र का महाताण्डव (संपादक: जयप्रकाश धूमकेतु), दिसंबर 2011 से मई 2012, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 5.तद्भव 36 (संपादक: अखिलेश) नवंबर 2017, लखनऊ, उत्तर प्रदेश उद्भावना, इस्मत चुगताई विशेषांक(संपादक: अजेय कुमार, अतिथि संपादक: जानकी प्रसाद शर्मा), जनवरी-मार्च 2018, शाहदरा, दिल्ली 6.डॉक्टर धीरेन्द्र वर्मा(प्रधान संपादक), ब्रजेश्वर वर्मा, धर्मवीर भारती, रामस्वरूप चतुर्वेदी(संयोजक): हिन्दी साहित्य कोश भाग-1(पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 1985 7.डॉक्टर मनोरमा शर्मा: संस्मरण और संस्मरणकार, आराधना ब्रदर्स कानपुर, उत्तर प्रदेश, 1988 8.ज्योति व्यास: आधुनिक हिन्दी साहित्य में आत्मकथा और संस्मरण विधा, अमन प्रकाशन कानपुर, उत्तर प्रदेश, 2015 9.डॉक्टर हरिमोहन: साहित्यिक विधाएं पुनर्विचार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1997	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO - 217

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):-Language & Literature: Social & Cultural Survey

(भाषा एवं साहित्य : सामाजिक एवं सांस्कृतिक सर्वेक्षण)

No. of credits (क्रेडिट):-2 (24 HOURS)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course	साहित्य के अध्ययन करने के लिए अनुभूतियों की आवश्यकता है । लोगों से जुड़े बिना, कक्षा के बाहर गए बिना यह अध्ययन नहीं हो सकता । जिस	

(पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	समाज में रह रहे हैं उसकी सांस्कृतिक पृष्टभूमि को जानना आवश्यक है । विभिन्न स्थितियों में जीने वाले लोगों को करीब से जानना, उनके साथ संवाद स्थापित करना आवश्यक है ।	
Objective (उद्देश्य)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत गोवा के किसी भी ग्रामपंचायत की सहायता से गांवों का सर्वेक्षण।	
Content (विषयवस्तु)	निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर एक संक्षिप्त रपट प्रस्तुत करना है । 1. गांव की जनसंख्या । 2. सर्वशिक्षा अभियान। 3. हिन्दी भाषा एवं साहित्य का ज्ञान । 4. व्यवसाय एवं आर्थिक स्थिति । 5. सामाजिक - सांस्कृतिक - राजनैतिक चेतना । 6. पर्यावरण तथा अन्य समस्याएँ । 7. स्वच्छता का ज्ञान । 8. गांव के लोगों की अपेक्षाएं।	24 Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, भ्रमण,चर्चा-परिचर्चा, साक्षात्कार ।	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.सुचैता महाजनः सामाजिक बदलाव के लिए शिक्षा, एन.बी.टी, दिल्ली । 2.सुदर्शन कुमार कपूरः भारत की सांस्कृतिक विरासतः एक परिदृश्य चित्र, एन.बी.टी,दिल्ली ।	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO-218

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):-Hindi Pradeshon mein Bhraman

(हिन्दी प्रदेशों में भ्रमण)

No. of credits (क्रेडिट):-02 (24 HOURS)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	भ्रमण की महत्ता, भ्रमण का शौक, भाषा की बारीकियों को जानने की जिज्ञासा आदि अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम में भ्रमण का क्या अर्थ है , उसका सामा जिक-सांस्कृतिक महत्व क्या है , हिन्दी के विविध क्षेत्रों-अवध , काशी, मगध, दिल्ली का सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व क्या रहा है आदि का ज्ञान विद्यार्थियों को करवाया जायेगा। साथ ही किसी एक हिन्दी प्रदेश का भ्रमण करके वहां की संस्कृति, हिन्दी भाषा का प्रचलित रूप , वहां के साहित्यकारों के साक्षात्कार	

	आदि का भी अभ्यास कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।	
Content (विषयवस्तु)	1. भ्रमण का अर्थ, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व। 2. प्रमुख हिन्दी क्षेत्र • अवध का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन • काशी का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन • मगध का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन • हस्तिनापुर(दिल्ली) का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन (इनमें से किसी एक प्रदेश का भ्रमण अपेक्षित है।)	24 HOURS
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद -विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1. मोती चन्द्र: काशी का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1985 2. मनोहर श्याम जोशी: लखनऊ मेरा लखनऊ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002 3. मिर्जाहादी रुसवा: लखनऊ की नगर वधू, शरद प्रकाशन, दिल्ली, 1976	